MONTHLY SYLLABUS

SESSION-2017-18

CLASS-XI

SUBJECT-GEOGRAPHY

माह	विषयवस्तु
जुलाई 2017	मानचित्र कार्य – भारत के राज्य तथा उनकी राजधानियाँ। ● भारत की प्रमुख पर्वत चोटियाँ। ● महाद्वीपों के नाम और उनकी विशेषताएँ। ● विश्व के प्रमुख देश। ● अक्षांश तथा देशान्तर रेखाएँ। ● विश्व के प्रमुख गर्म व ठंडे मरूस्थलों के नाम। ● विश्व की प्रमुख नदियाँ। ● विश्व की प्रमुख पर्वत श्रेणियाँ। ● विश्व के प्रमुख घास के मैदानों के नाम। **भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत** **भाग–1 इकाई–1, अध्याय–1, भूगोल एक विषय के रूप में** – भूगोल एक समाकलन (Integrating) विषय के रूप में, भौतिक भूगोल एवं प्राकृतिक विज्ञान, भूगोल एवं सामाजिक विज्ञान, भूगोल की शाखाएँ, भौतिक भूगोल एवं इसका महत्व। **इकाई–2, अध्याय–2, पृथ्वी – पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास,** आरम्भिक व आधुनिक सिद्धान्त, तारों का निर्माण, ग्रहों का निमाण, प्रकाश वर्ष, सौरमण्डल, पृथ्वी का उद्‌भव, स्थलमण्डल का विकास, जीवन की उत्पत्ति।

	इकाई-2, अध्याय-3 : पृथ्वी की आंतरिक संरचना : भूगर्भ की जानकारी के साधन, भूकम्प, भूकम्पीय तरंगे, भूकम्प के प्रभाव, पृथ्वी की संरचना (भूपर्पटी, मैटल, क्रोड) ज्वालामुखी एवं ज्वालामुखी निर्मित स्थलरूप। **इकाई-2, अध्याय-4 : महासागरों और महाद्वीपों का वितरण :** महाद्वीपीय प्रवाह - अल्फ्रेड वेगनर का महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त, महासागरीय अधस्तल की बनावट, भूकम्प व ज्वालामुखी का वितरण, प्लेट विवर्तनिका, भारतीय प्लेट का संचलन। **भारत-भौतिक पर्यावरण खण्ड-1, अध्याय-1 :** भारत-स्थिति : आकार, भारत के पड़ोसी राज्य। मानचित्र कार्य। **प्रयोगात्मक कार्य :** मानचित्र का परिचय, पैमाने।
अगस्त 2017	**खण्ड-2, अध्याय-2 : संरचना तथा भू-आकृति विज्ञानः** प्रायद्वीपीय खण्ड, हिमालय और अन्य प्रायद्वीपीय पर्वतमालाएँ, सिंधु-गंगा, ब्रह्मपुत्र मैदान, भू-आकृति : उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी पर्वतमाला, उत्तरो भारत का मैदान, प्रायद्वीपीय पठार, भारतीय मरूस्थल, तटीय मैदान, द्वीप समूह। मानचित्र कार्य। **इकाई-3, अध्याय-5 : खनिज एवं शैलः** खनिजों का निर्माण, खनिजां की भौतिक विशेषताएँ, प्रमुख खनिज तथा उनकी विशेषताएँ। धात्विक व अधाात्विक खनज, शैले (पेट्रोलॉजी)आग्नेय शैल, अवसादी शैल, कायांतरित शैल, शैल-चक्र। **अध्याय-6 : भू-आकृतिक प्रक्रियाएँः** अंर्तजनित प्रक्रियाएँ, पटल विरूपण, ज्वालामुखीयता, बहिंजनिक प्रक्रियाएँ, अपक्षय, रासायनिक अपक्षय प्रक्रियाएँ, भौतिक अपक्षय प्रक्रियाएँ, जैविक कार्य एवं अपक्षय, अपक्षय के विशेष प्रभाव, महत्व, बृहत संचलन, मंद संचलन, तीव्र संचलन, भूस्खलन, अपरदन एवं निक्षेपण, मृदा निर्माण, मृदा निर्माण के कारक।

	अध्याय–7 : भू–आकृतियाँ तथा उनका विकासः प्रवाहित जल, अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप, भौम जल अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप, हिमनद, अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप, तरंग व धाराएँ अपरदित स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप, पवनें अपरदनात्मक स्थलरूप, निक्षेपित स्थलरूप। **अध्याय–8 : वायुमण्डल का संघटन तथा संरचनाः** वायुमण्डल का संघटन, वायुमण्डल की संरचना, मौसम आर जलवायु के तत्व। **प्रयोगात्मक कार्य :** मापनी बनाना, दूरी मापना, दिशा ज्ञात करना, चिह्नों का प्रयोग।
सितम्बर 2017	**भाग–2, अध्याय–3 : अपवाह तन्त्रः** आशय, प्रकार, भारत के अपवाह तन्त्र, हिमायलो अपवाह तन्त्र, सिन्धु नदी तन्त्र, गंगा नदी तन्त्र, ब्रह्मपुत्र नदी तन्त्र, प्रायद्वीपीय अपवाह तन्त्र, नदी जल उपयोग की सीमा, मानचित्र कार्य। **अध्याय–4 : जलवायु :** मानसून जलवायु में एकरूपता एवं विविधता, भारत की जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक, शीतऋतु व ग्रीष्म ऋतु में मौसम की क्रियाविधि, भारतीय मानसून की प्रकृति, मानसून में विच्छेद, मानसून का निवर्तन, ऋतुओं की लय, मानसून वर्षा की विशेषताएँ, मानसून के निवर्तन की ऋतु, वर्षा का वितरण, वर्षा की परिवर्तिता, भारत के जलवायु प्रदेश, मानूसन और भारत का आर्थिक जीवन, भूमण्डलीय तापन, मानचित्र कार्य। **पुनरावृत्ति** S.A.-I Exams (11.09.2017- 26-09-2017) Autumn Break (28-09-2017-29-09-2017)
अक्टूबर 2017	**S.A.I के प्रश्नपत्रों पर कक्षा में चर्चा।** **इकाई–4, अध्याय–9 सौर विकिरण, ऊष्मा संतुलन एवं तापमानः** सौर विकिरण, पृथ्वी की सतह पर सूर्यातप में भिन्नता, वायुमण्डल का

	तापन एवं शीतलन, पृथ्वी का ऊष्मा बजट, तापमान, तापमान का व्यत्क्रमण। **अध्याय-10 वायुमण्डलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँः** वायुमण्डलीय दाब, वायदाब में ऊर्ध्वाधर भिन्नता, वायुदाब का क्षैतिज वितरण, पवनों की दिशा व वेग को प्रभावित करने वाले बल, वायुमण्डल का सामान्य परिसंचरण, पवनें, उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात। **प्रयोगात्मक कार्य : मानचित्र प्रक्षेप :** मानचित्र प्रक्षेप बनाना व प्रक्षेप के गुण, एक मानक रेखा वाला शंकु प्रक्षेप मर्केटर प्रक्षेप, बेलनाकार प्रक्षेप।
नवम्बर 2017	**खण्ड-3, अध्याय-5 : प्राकृतिक वनस्पतिः** वनों के प्रकार, भारत में वन आवरण, वन संरक्षण भारत में वन्य प्राणी संरक्षणजीव मंडल निचय (मानचित्र) **इकाई-4, अध्याय-11 : वायुमण्डल में जलः** आर्द्रता व उसके प्रकार, वाष्पीकरण व संघनन, बादल, व उनके विभिन्न प्रकार, वर्षण, वर्षा के प्रकार, संसार में वर्षा वितरण। **अध्याय-12 : विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तनः** कोपेन की जलवायु वर्गीकरण की पद्धति, जलवायु परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन के कारण, भूमण्डलीय ऊष्मन, ग्रीन हाउस-आशय। **प्रयोगात्मक कार्य :** स्थलाकृतिक मानचित्र, मौसम मानचित्र समोच्य रेखाएँ, ढाल के प्रकार - पहाड़ियाँ, घाटियाँ, भृगु (CLIFF), जल प्रपात, बस्तियों का वितरण।
दिसम्बर 2017	**इकाई-5, अध्याय-13 : महासागरीय जलः** जलीय चक्र, महासागरीय अधस्तल का उच्चावच, महासागरीय अधस्तल का विभाजन, महासागरीय जल का तापमान, तापमान वितरण को प्रभावित करने वाले कारक, तापमान का ऊर्ध्वाधर तथा क्षैतिज वितरण, महासागरीय जल की लवणता, महासागरीय लवणता को प्रभावित करने वाले कारक, उच्चतम

	लवणता का क्षैतिज व ऊर्ध्वाधर वितरण। **अध्याय-14 : महासागरीय जल संचलनः** तरगें, ज्वार-भाटा प्रकार, ज्वार-भाटा का महत्व, महासागरीय धाराओं के प्रभाव। मानचित्र कार्य। **प्रयोगात्मक कार्य :** सुदूर संवेदन का परिचय, सुदूर संवेदन के स्तर, वायव फोटो तथा उपग्रह संचित्रों द्वारा भौतिक व सांस्कृतिक लक्षणों को दर्शाना। **मौसम उपकरणों का प्रयोग** - तापमानी शुष्क वाल्व व आर्द्र वाल्व थर्मामीटर, वायुदाबमापी, वायुदिक सूचक यंत्र, वर्षामापी यन्त्र।
	Winter Break 28.12.17-15.01.2018
जनवरी 2018	**इकाई-6, अध्याय-15 : पृथ्वी पर जीवनः** पारिस्थितिकी (Ecology) पारितन्त्र के प्रकार, पारितन्त्र की कार्य प्रणाली व संरचना, बायोम के प्रकार, जैव भू-रासायनिक चक्र, पारिस्थितिक सन्तुलन, मूल्य। **अध्याय-16 : जैव विविधता एवं संरक्षणः** आनुवाशिंक जैव विविधता (Genetic Biodiversity), प्रजातीय विविधता, पारितन्त्रीय विविधता, जैव विविधता का महत्व, जैव विविधता की पारिस्थितिकीय भूमिका, जैव विविधता का ह्रास व संरक्षण, संसार के ''महा विविधता केन्द्र'' (Mega Diversity Centers).(Hot Spots in the World) **प्रयोगात्मक कार्य :** मौसम मानचित्र तथा चार्ट, दबाव, वर्षा, हवा के वितरण का वर्णन।
फरवरी 2018	**खण्ड-3, अध्याय-6 : मृदाः** आशय, मृदा का वर्गीकरण, मृदा अवकर्षण, मृदा अपरदन, मृदा संरक्षण, मानचित्र कार्य। **खण्ड-4, अध्याय-7 : प्राकृतिक संकट तथा आपदाएँः** प्राकृतिक आपदाओं का वर्गीकरण, भारत में प्राकृतिक आपदाएँ, भूकम्प, सुनामी, उष्ण कटिबन्धीय चक्रवात, बाढ़, सूखा, सूखे के प्रकार, सूखे के परिणाम, भूस्खलन, भूस्खलन के परिणाम, निवारण आपदा प्रबन्धन।

	मानचित्र कार्य : संसार के राजनैतिक मानचित्र पर आधारित लक्षणों की पहचान।
	पुनरावृत्ति **S.A.-II / Final Exams 19.02.18-24.03.18**